

# Media Coverage of Inauguration of Shodh-Chakra portal on National Librarian's Day



A screenshot of a web browser displaying the Shodh Chakra portal. The browser address bar shows the URL: [shodhchakra.inflibnet.ac.in/institute](https://shodhchakra.inflibnet.ac.in/institute). The page header includes the Shodh Chakra logo and the text "An Initiative by INFLIBNET Centre (An Inter-University Centre of UGC)".

The main content area is titled "UNIVERSITY: CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH (S-CHAKRA-2023-U-0178) (INSTITUTE)".

The left sidebar contains several sections:

- UNIVERSITY PROFILE**: University Profile / Department
- SCHOOL / DEPARTMENT USER(S)**: No of User(s), Add New User
- RESEARCHER(S)**: Enrolled Researcher(s), Pending List for Verification, Add New Researcher, Add Researcher (In bulk)
- GUIDE(S)**: No of Guide(s), Add New Guide, Add Guide (In bulk)
- THESIS SUBMISSION**: Submitted, In Progress
- REPORTS**: Schools / Departments / Guides, Scholarship / Fellowship

The main content area displays a "Pending List: Assignment of Topic / Guide and Verification" table:

Sr No	Name	Department	Action
1	Anshu Duhoon	Central Library	Assign Topic / Guide Final Verification pending Reject
2	Harsha Devi	Department of Education	Assign Topic / Guide Final Verification pending Reject
3	Showkat Ahmad Mir	Department of Education	Final Verification Reject

At the bottom of the page, the system tray shows the date and time: 2023-08-08, 10:18 AM.

## सीयू में शोध-चक्र पोर्टल लांच

धर्मशाला। आचार्य रघुवीर केंद्रीय पुस्तकालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विवि, धर्मशाला ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक, पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की 131वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया, जिन्होंने भारत और दुनिया भर में पुस्तकालय विकास का नेतृत्व किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विक्रम कुमार शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मनोज सक्सेना, प्रो.ओएसकेएस शास्त्री, प्रो. दीपक पंत आदि द्वारा पुष्पांजलि के साथ हुई। शोध-चक्र पोर्टल लांच करते समय वीसी प्रो. बंसल ने शोध-चक्र अकादमिक समुदाय को उनके अनुसंधान जीवन चक्र के दौरान मदद करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मार्गदर्शन में सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इंपिलबनेट) केंद्र की एक पहल है और विश्वविद्यालय ने हाल ही में अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में इंपिलबनेट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

## केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध-चक्र पोर्टल लांच

धर्मशाला। आचार्य रघुवीर केंद्रीय पुस्तकालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक, पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की 131वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया। जिन्होंने भारत और दुनिया भर में पुस्तकालय विकास का नेतृत्व किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विक्रम कुमार शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो.मनोज सक्सेना, प्रो.ओएसकेएस शास्त्री, प्रो.दीपक पंत, प्रो.मोहिंदर सिंह, प्रो. दीपांकर, संकाय सदस्य, टीम लाइब्रेरी और छात्रों द्वारा पुष्पांजलि के साथ हुई। वहीं शोध-चक्र पोर्टल लॉच करते समय, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बंसल ने विश्वविद्यालय को हाल ही में नैक ए+ ग्रेड मान्यता के दौरान विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विक्रम शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा निर्भाई गई उल्लेखनीय परिवर्तनकारी भूमिका की सराहना की। वहीं प्रो. बंसल ने उल्लेख किया कि प्रो. रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियम वर्तमान डिजिटल युग में अधिक प्रासंगिक हैं। मार्गदर्शन और गतिशील नेतृत्व के लिए कुलपति को धन्यवाद देते हुए, टीम लाइब्रेरी ने अनुसंधान संचालित विश्वविद्यालय के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए लाइब्रेरी सेवाएं और संसाधन प्रदान करने की दिशा में निरंतर गुणवत्तापूर्ण पहल करने का संकल्प लिया।

## केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध चक्र पोर्टल लांच

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के पुस्तकालय में भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक, पद्मश्री डा. एसआर रंगनाथन की 131वीं जयंती पर राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया। पुस्तकालय अध्यक्ष डा. विक्रम कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. एसपी बंसल ने सीयू पुस्तकालय में शोध चक्र पोर्टल लांच किया। उन्होंने अनुसंधान संचालित विश्वविद्यालय के लिए पुस्तकालय, इसकी सेवाओं और संसाधनों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रो.

रंगनाथन की ओर से प्रतिपादित पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियम वर्तमान डिजिटल युग में अधिक प्रासंगिक हैं।

